अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आक्रामक चीतलों की आबादी

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

बोस द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर **चीतल** (Axis axis) की **आबादी** पारिस्थितिकी तंत्र की वहन क्षमता से अधिक हो गई है, जिस कारण अंडमान और निकोबार वन विभाग को पोर्ट ब्लेयर के एक जैविक पार्क में लगभग **500 हिरणों** को स्थानांतरित करना पड़ा।

- इन्हें 1900 के दशक की शुरुआत में अंग्रेज़ों द्वारा शिकार के लिये अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में लाया गया था।
  - हाल के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि आक्रामक चीतल प्रजाति स्थानीय वनस्पतियों और जीवों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है, जिसके लिये रणनीतिक प्रबंधन उपायों की आवश्यकता है।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत, एक मुख्य वन्यजीव वार्डन वैज्ञानिक प्रबंधन के उद्देश्य से स्थानांतरण की अनुमति दे सकता है।
  - कानून कहता है कि इस तरह के स्थानांतरण से जानवरों को न्यूनतम आघात पहुँचना चाहिये।
- चीतल, जिसे **चित्तीदार हिरण** या **एक्सिस (Axis axis) हिरण** के रूप में भी जाना जाता है, **भारत और श्रीलंका** के घास के मैदानों व जंगलों का मूल निवासी है, तथा यह एक सुंदर एवं सुरुचिपूर्ण शाकाहारी जानवर होता है।
  - ये खुले घास के मैदान, सवाना और हल्के जंगली इलाके पसंद करते हैं।
  - IUCN लाल सूची: **सबसे कम चिंता का विषय**
  - WLPA 1972: अनुसूची II।

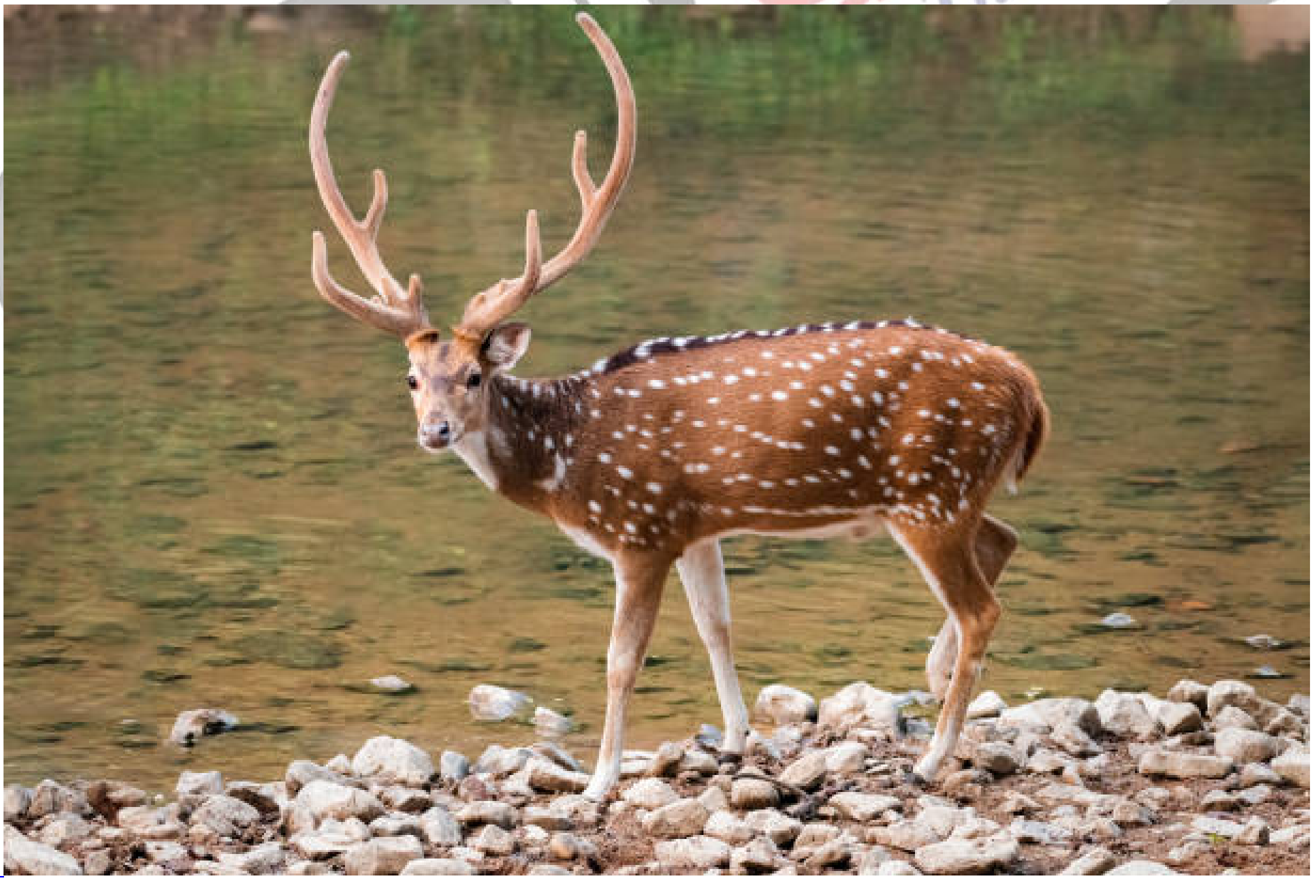

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/invasive-chital-population-in-a-n-islands